

समाचार वाणी

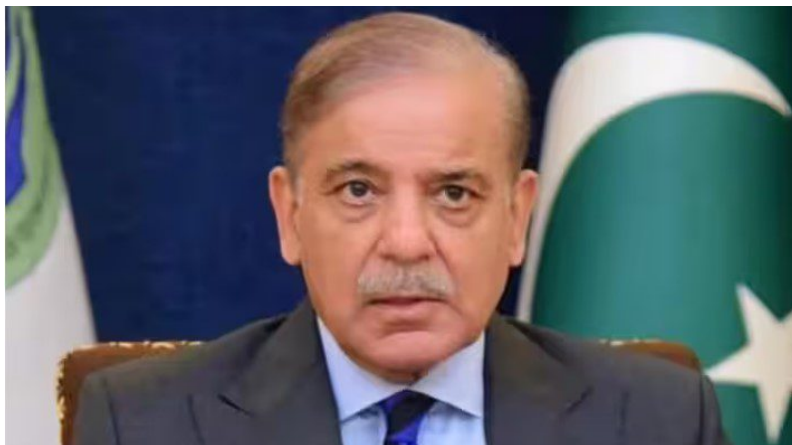
खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

भारत की एयर स्ट्राइक के खिलाफ पाकिस्तानी सेना ने मांगी जवाबी कार्रवाई की इजाजत, शहबाज शरीफ बोले- आर्मी को पूरा अधिकार ।

Publisher

Published on 07 May 2025



भारत के एयरस्ट्राइक से डरे पाकिस्तान ने हर बार की तरह एक बार फिर कहा कि उसके क्षेत्र में आतंकवादी शिविर मौजूद नहीं हैं और वह शांति चाहता है.

भारतीय सेना ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए पाकिस्तान और पीओके में आतंकी बेस को ध्वस्त कर दिया. इसे लेकर पाकिस्तान में बुधवार (7 मई 2025) हाई लेवल की बैठक हुई, जिसमें भारतीय एयरस्ट्राइक को लेकर चर्चा हुई. पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बुधवार शाम को इस मुद्दे पर संसद को संबोधित कर सकते हैं. भारतीय सेना ने बुधवार तड़के ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक किया.

PAK सेना ने मांगी जवाबी कार्रवाई की इजाजत

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें कैबिनेट मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों, सभी सेनाओं के प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया. एनएससी की बैठक दो घंटे से अधिक समय तक चली और सुरक्षा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई. भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बौखलाया है. पाक सेना ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से छूट मांगी है. इस पर शहबाज ने कहा कि उन्होंने अपनी सेना को खुली छूट दी है. उन्होंने कहा कि सेना को पूरा अधिकार है.

भारत के एयरस्ट्राइक से डरा पाकिस्तान

पाकिस्तान ने हर बार की तरह एक बार फिर कहा कि उसके क्षेत्र में आतंकवादी शिविर मौजूद नहीं हैं. पाकिस्तान ने दोहराया कि हमने पहलगाम आतंकी हमले के बाद जांच की मांग की थी. भारत के एयरस्ट्राइक से डरा पाकिस्तान ने एक बार फिर कहा है कि

वह शांति चाहता है.

भारत की ओर से की गई सैन्य कार्रवाई के कुछ घंटों के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि अगर भारत नरम रुख अपनाता है तो पाकिस्तान दोनों देशों के बीच के तनाव को खत्म करने के लिए तैयार है. पहलगाम आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किये, जिनमें आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ भी शामिल हैं.

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.